ब्रहस्पतिवार, 23 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

धोनी की वापसी की तैयारी, वानखेड़े में जमकर बहाया पसीना

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

प्रियंका चोपड़ा का दमदार एक्शन अवतार 'सिटाडेल 2' का ट्रेलर रिलीज़

Page-05

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह घटना वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम मानी जा रही है।होर्मुज़ जैसे रणनीतिक मार्ग पर जोखिम के बावजूद समुद्री गतिविधियां जारी रहना बड़ी राहत है।

होर्मुज़ पार कर लौटा देश गरिमा सुरक्षित भारत पहुंचा

- **देश गरिमा टैंकर स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ पार कर सुरक्षित मुंबई तट के पास पहुंचा।**
- **कथित तौर पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की गोलीबारी के बावजूद सभी 31 भारतीय चालक दल सुरक्षित रहे।**

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारतीय कच्चे तेल का टैंकर देश गरिमा सुरक्षित रूप से भारत पहुंच गया है। यह जहाज़ रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ़ होर्मुज़ से गुजरने के बाद फिलहाल मुंबई तट के पास लंगर डाले खड़ा है।बताया जा रहा है कि 18 अप्रैल को होर्मुज़ क्षेत्र से रवाना हुआ यह टैंकर रास्ते में कथित तौर पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की गोलीबारी की चपेट में भी आया, लेकिन इसके बावजूद उसने अपनी यात्रा जारी रखी। जहाज़ पर 31 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार हैं, जो सभी सुरक्षित हैं।पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस जहाज़ का सुरक्षित पहुंचना भारत के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है, खासकर तब जब वैश्विक तेल आपूर्ति और ईंधन कीमतों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं।यह मार्च के बाद से होर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाला भारत का 10वां जहाज़ है, जो दर्शाता है कि तनाव के बावजूद समुद्री गतिविधियां जारी हैं। भारत ने ईरान से अपील की है कि वह इस मार्ग से गुजरने वाले भारतीय जहाज़ों की सुरक्षा सुनिश्चित करे।गौरतलब है कि इससे पहले भी IRGC द्वारा भारतीय जहाज़ों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिस पर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया था।विशेषज्ञों का मानना है कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम मार्ग है, जहां से दुनिया का बड़ा हिस्सा कच्चा तेल गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी तरह का तनाव अंतरराष्ट्रीय बाजार पर सीधा असर डाल सकता है। भारत जैसे तेल आयातक देशों के लिए इस मार्ग की सुरक्षा बेहद जरूरी है, क्योंकि इसका सीधा संबंध ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू ईंधन कीमतों से जुड़ा हुआ है।

यूसुफ पठान के रिश्तेदारों की गिरफ्तारी पर बवाल

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और तृणमूल कांग्रेस सांसद यूसुफ पठान के तीन रिश्तेदारों की गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इन पर 31 वर्षीय एक व्यक्ति के साथ मारपीट का आरोप है। घटना के बाद पठान की सास नसीबजान मोहम्मद खलीक ने इसे साजिश करार दिया है।मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मामला बच्चों के बीच हुई मामूली कहासुनी से शुरू हुआ था, जो बाद में झड़प में बदल गया। उनके मुताबिक, दोनों पक्षों को चोटें आईं, लेकिन बिना किसी ठोस आधार के उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि उनके परिवार ने न तो किसी पर दबाव डाला और न ही किसी को धमकाया है। आरोप लगाया कि आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 से पहले यूसुफ पठान की छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है।पुलिस के अनुसार, विवाद उस समय शुरू हुआ जब एक कार गड्ढे से गुजरी और पानी पास खड़े लोगों पर उछल गया, जिसके बाद कहासुनी ने झगड़े का रूप ले लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और सभी पक्षों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं।

IRS अधिकारी की बेटी मृत मिली घरेलू सहायक पर शक

दक्षिणी दिल्ली के कैलाश हिल इलाके में बुधवार सुबह एक 22 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या का मामला सामने आया, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतका एक आईआरएस अधिकारी की बेटी थी और संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रही थी।पुलिस के अनुसार, घटना उस समय हुई जब उसके माता-पिता सुबह करीब 6 से 6:30 बजे के बीच जिम के लिए घर से बाहर गए हुए थे। लौटने पर उन्होंने बेटी को मृत अवस्था में पाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। जांच के दौरान फॉरेंसिक टीम ने मौके से अहम सबूत जुटाए हैं। शुरुआती जांच में युवती के सिर और गर्दन पर चोट के निशान मिले हैं, जबकि गला घोंटकर हत्या किए जाने की आशंका जताई जा रही है।पुलिस का शक घर के घरेलू सहायक पर है, जो वारदात के बाद से फरार बताया जा रहा है। अन्य एंगल्स की भी जांच जारी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही आगे की स्थिति साफ हो सकेगी।पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और संदिग्ध की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। मोबाइल कॉल डिटेल्स और घर में आने-जाने वाले लोगों की जानकारी भी जुटाई जा रही है।प्रारंभिक जांच में जबरन प्रवेश के संकेत नहीं मिले हैं, जिससे यह मामला अंदरूनी जानकारी रखने वाले व्यक्ति से जुड़ा माना जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

कानपुर 'किडनी कांड' का बड़ा खुलासा:

बिना डिग्री 'डॉक्टर' ने किए 13 ट्रांसप्लांट, दो मरीजों की मौत

उत्तर प्रदेश के कानपुर में सामने आए 'किडनी कांड' ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले में गिरफ्तार ओटी मैनेजर मुदस्सर अली सिद्दीकी उर्फ 'डॉ अली' ने पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे किए हैं।पुलिस के अनुसार, बिना किसी मेडिकल डिग्री के उसने अब तक 13 किडनी ट्रांसप्लांट किए, जिनमें 3 मेरठ और 10 कानपुर के अलग-अलग अस्पतालों में किए गए। इन अवैध ऑपरेशनों के दौरान दो मरीजों की मौत भी हो चुकी है।जांच में सामने आया कि आरोपी मूल रूप से उत्तम नगर का रहने वाला है और मेरठ के एक अस्पताल में ओटी मैनेजर रहते हुए उसने अवैध तरीके से सर्जरी करना सीखा। इसके बाद उसने रोहित तिवारी के साथ मिलकर एक गिरोह खड़ा किया, जिसने कई अस्पतालों में इस गैरकानूनी धंधे को अंजाम दिया।पुलिस के मुताबिक, इस रैकेट में कई लोग शामिल हैं और अब तक डॉक्टर दंपती समेत 11 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। मुख्य आरोपी और अन्य सहयोगियों से पूछताछ के जरिए पूरे नेटवर्क का खुलासा करने की कोशिश जारी है।जांच एजेंसियां अब इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि इस रैकेट को चलाने में किन-किन अस्पतालों और डॉक्टरों की मिलीभगत थी। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि अवैध ट्रांसप्लांट के लिए मरीजों और डोनर्स को कैसे फंसाया जाता था। पुलिस रिकॉर्ड और वित्तीय लेन-देन की जांच कर रही है, जिससे पूरे नेटवर्क की जड़ तक पहुंचा जा सके। स्वास्थ्य विभाग भी मामले में अपनी अलग जांच कर रहा है और संबंधित अस्पतालों के लाइसेंस की समीक्षा की जा रही है।

बिहार में बड़ा प्रशासनिक फैसला

सम्राट चौधरी ने 224 निलंबित कर्मचारियों को किया बहाल

बिहार के नए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पद संभालते ही बड़ा निर्णय लेते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के आदेश को रद्द कर दिया और पिछले ढाई महीनों से निलंबित 224 राजस्व कर्मचारियों को बहाल कर दिया।दरअसल, भूमि सुधार एवं राजस्व विभाग में हड़ताल को अनुशासनहीनता मानते हुए विजय कुमार सिन्हा ने इन कर्मचारियों को निलंबित किया था। अब इस फैसले को पलटते हुए सरकार ने सभी जिला अधिकारियों को बहाली से जुड़ी आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।यह दूसरी बार है जब मुख्यमंत्री ने पिछली नीतीश कुमार सरकार के फैसले को बदला है। हड़ताल की शुरुआत 2 फरवरी को हुई थी, जब कर्मचारियों ने नए पद SDR0 बनाए जाने का विरोध किया था, जिससे DCLR के अधिकारों में कटौती की आशंका जताई गई थी।हालांकि, उस समय विजय कुमार सिन्हा ने सख्त रुख अपनाते हुए चेतावनी दी थी कि काम पर न लौटने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी और आंदोलन के पीछे साजिश की भी आशंका जताई थी।अब सरकार के इस फैसले से कर्मचारियों में राहत का माहौल है और कामकाज के सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है।वहीं, विपक्ष इस फैसले को राजनीतिक कदम बताते हुए सरकार पर सवाल उठा रहा है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

नेपाल में बालेन शाह सरकार के खिलाफ उबाल, सड़कों पर उतरी जनता

नेपाल में बालेन शाह सरकार के खिलाफ विरोध तेज हो गया है। भारत से आने वाले सामान पर कस्टम ड्यूटी, छात्र असंतोष और गृह मंत्री सुदान गुरुंग पर भ्रष्टाचार के आरोप प्रमुख कारण हैं। प्रदर्शन देशभर में फैल गए हैं, जिससे सरकार पर बढ़ता दबाव और राजनीतिक संकट गहराता जा रहा है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

नेपाल की राजधानी में राजनीतिक माहौल तेजी से उथल-पुथल भरा होता जा रहा है। बालेन शाह के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ जनता का गुस्सा लगातार बढ़ रहा है। दो-तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में आने के कुछ ही हफ्तों के भीतर सरकार को सड़कों पर बड़े पैमाने पर विरोध का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन केवल काठमांडू तक सीमित नहीं हैं, बल्कि देश के प्रशासनिक केंद्र सिंह दरबार तक फैल चुके हैं।विरोध प्रदर्शनों की सबसे बड़ी वजह सरकार का वह नया निर्णय है, जिसके तहत भारत से लाए जाने वाले 100 रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर अनिवार्य सीमा शुल्क लागू किया गया है। सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों का कहना है कि यह नीति उनके दैनिक जीवन पर सीधा असर डाल रही है, क्योंकि वे आवश्यक वस्तुओं के लिए सीमा पार की खरीदारी पर निर्भर रहते हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार ने जमीनी हकीकत को नजरअंदाज करते हुए आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। इसके साथ ही छात्रों में भी असंतोष तेजी से बढ़ा है। छात्र संगठनों का आरोप है कि सरकार राजनीतिक दलों से जुड़े छात्र संघों को कमजोर करने या खत्म करने की कोशिश कर रही है। उनका कहना है कि संवाद के बजाय सरकार ने "दमनकारी रवैया" अपनाया है। देशभर में हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए हैं, जिनमें स्कूली और कॉलेज छात्र शामिल हैं। कई जगहों पर छात्रों को स्कूल यूनिफॉर्म में प्रदर्शन करते और हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाते देखा गया, जो इस आंदोलन के व्यापक स्वरूप को दर्शाता है। विवाद का एक और बड़ा केंद्र सुदान गुरुंग के खिलाफ लगे आरोप हैं। उन पर आय से अधिक संपत्ति रखने और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन में शामिल होने के आरोप लगाए गए हैं। विपक्षी दलों और नागरिक समाज संगठनों का दावा है कि गुरुंग के कुछ कारोबारी संबंध ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं से जुड़े हैं, जिन पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप हैं। स्थानीय मीडिया में सामने आए दस्तावेजों के आधार पर उनके निवेश और शेयरहोल्डिंग को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। इन आरोपों के चलते गुरुंग के इस्तीफे की मांग तेज हो गई है और यह मुद्दा विरोध प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र बन गया है। राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने सरकार पर पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।विश्लेषकों का मानना है कि यह विरोध केवल एक या दो मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापक असंतोष का संकेत है। आर्थिक नीतियों को लेकर नाराजगी, छात्रों का आक्रोश और सरकार के भीतर कथित भ्रष्टाचार के आरोप—इन सभी ने मिलकर स्थिति को जटिल बना दिया है। सरकार के सामने अब कई मोर्चों पर चुनौती खड़ी हो गई है। जो असंतोष शुरुआत में कुछ नीतिगत फैसलों तक सीमित था, वह अब एक बड़े राजनीतिक संकट का रूप ले चुका है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार इन चुनौतियों से कैसे निपटती है और क्या वह जनता के विश्वास को फिर से हासिल कर पाती है या नहीं।

दिल्ली के अमर कॉलोनी में IRS अधिकारी की बेटी की बेरहमी से हत्या

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राजधानी दिल्ली एक बार फिर जघन्य अपराध से दहल उठी है। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के पॉश इलाके अमर कॉलोनी में बुधवार सुबह एक आईआरएस अधिकारी की 22 वर्षीय बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। युवती का शव उसके घर के अंदर मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में मामला बेहद गंभीर और वीभत्स प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि हत्या से पहले युवती के साथ यौन उत्पीड़न किया गया। इसके बाद आरोपी ने मोबाइल चार्जिंग केबल से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। इस मामले में जांच का मुख्य केंद्र घर का एक पूर्व घरेलू नौकर है, जिसे करीब डेढ़ महीने पहले नौकरी से निकाल दिया गया था। पुलिस को संदेह है कि उसने बदले की भावना से इस वारदात को अंजाम दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से फिंगरप्रिंट और अन्य अहम साक्ष्य जुटाए हैं। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि आरोपी की गतिविधियों का पता लगाया जा सके। आरोपी की तलाश में पुलिस ने कई टीमें गठित कर संभावित ठिकानों पर छापेमारी शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि संदिग्ध की पहचान लगभग तय कर ली गई है और उसे जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इस हाई-प्रोफाइल मामले ने राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा और घरेलू सहायकों के पुलिस सत्यापन के मुद्दे को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है।

अमेरिकी खरीदारों को मिलेगा रिफंड, भारतीय कंपनियों के लिए चुनौती

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय निर्यातकों के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। अमेरिका के अमेरिकी उच्चतम न्यायालय द्वारा जवाबी शुल्क (Retaliatory Duties) को अमान्य घोषित किए जाने के बाद अब करीब 166 अरब डॉलर की राशि की वापसी प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसमें भारतीय वस्तुओं से जुड़ा हिस्सा लगभग 12 अरब डॉलर (करीब 1 लाख करोड़ रुपये) आंका गया है। हालांकि, इस फैसले में एक बड़ा तकनीकी पहलू यह है कि यह राशि सीधे भारतीय निर्यातकों को नहीं मिलेगी, बल्कि अमेरिकी आयातकों को वापस की जाएगी। ऐसे में भारतीय निर्यातक संगठनों का महासंघ (FIEO) ने भारतीय व्यापारियों को सावधानीपूर्वक रणनीति अपनाने की सलाह दी है। फियो के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा कि भारतीय निर्यातकों का इस वापसी राशि पर कोई कानूनी अधिकार नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि "अगर किसी निर्यातक के अपने अमेरिकी खरीदार से मजबूत व्यावसायिक संबंध हैं, तो वह बातचीत के जरिए इस राशि का कुछ हिस्सा हासिल कर सकता है।" जवाबी शुल्क व्यवस्था 2 अप्रैल 2025 से 10 प्रतिशत दर के साथ शुरू हुई थी, जो धीरे-धीरे बढ़कर अगस्त 2025 तक 50 प्रतिशत तक पहुंच गई और फरवरी 2026 तक इसी स्तर पर बनी रही। इस दौरान भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा प्रभावित हुआ। शोध संस्था ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) के अनुसार, कुल 166 अरब डॉलर की वापसी में भारतीय हिस्सेदारी करीब 12 अरब डॉलर है। संस्था के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने बताया कि इसमें वस्त्र एवं परिधान और इंजीनियरिंग उत्पादों का लगभग 4-4 अरब डॉलर, जबकि रसायन क्षेत्र का करीब 2 अरब डॉलर हिस्सा हो सकता है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच तेल सप्लाई पर नजर

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। भारतीय कच्चे तेल का टैंकर "देश गरिमा" रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य को पार करने के बाद सुरक्षित रूप से भारतीय जलक्षेत्र में पहुंच गया है। फिलहाल यह जहाज़ मुंबई तट से कुछ दूरी पर लंगर डाले खड़ा है। यह टैंकर 18 अप्रैल को हॉर्मुज़ क्षेत्र से रवाना हुआ था और इस दौरान कथित तौर पर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की गोलीबारी की चपेट में आने के बावजूद अपनी यात्रा जारी रखने में सफल रहा। जहाज़ पर 31 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार हैं और सभी सुरक्षित बताए जा रहे हैं। इस टैंकर का सुरक्षित आगमन ऐसे समय में हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव चरम पर है। ऐसे में वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने और ईंधन की कीमतों में उछाल की आशंका जताई जा रही थी। इस जहाज़ का सुरक्षित पहुंचना भारत के ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से अहम है। गौरतलब है कि मार्च की शुरुआत से अब तक यह हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाला भारत के झंडे वाला 10वां जहाज़ है। इससे यह संकेत मिलता है कि तनावपूर्ण हालात के बावजूद समुद्री व्यापार पूरी तरह बाधित नहीं हुआ है। भारत ने अपने जहाज़ों और नाविकों की सुरक्षा को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए ईरान से सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित करने की अपील की है। भारत और ईरान के बीच ऐतिहासिक रूप से मजबूत संबंध रहे हैं, लेकिन मौजूदा भू-राजनीतिक हालात में समुद्री मार्गों की सुरक्षा एक बड़ी चिंता बनी हुई है। ऐसे में "देश गरिमा" का सुरक्षित पहुंचना न केवल एक बड़ी राहत है, बल्कि क्षेत्र में जारी तनाव के बीच एक सकारात्मक संकेत भी माना जा रहा है।

तेहरान में शक्ति प्रदर्शन, दुनिया को सख्त संदेश

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने एक साथ सैन्य शक्ति प्रदर्शन और कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। राजधानी तेहरान में आयोजित भव्य मिसाइल परेड ने वैश्विक ध्यान आकर्षित किया, जिसमें अत्याधुनिक हथियारों, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणालियों का प्रदर्शन किया गया। यह परेड संघर्षविराम अवधि समाप्त होने से ठीक पहले आयोजित की गई, जिसे विशेषज्ञ अमेरिका के लिए एक स्पष्ट संदेश के रूप में देख रहे हैं। इस परेड में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रदर्शन किया, जिनमें खोर्रमशहर-4, घदर और सिज्जिल जैसी मिसाइलें शामिल हैं। सिज्जिल मिसाइल की मारक क्षमता लगभग 2,000 से 2,500 किलोमीटर तक बताई जाती है, जिससे यह क्षेत्रीय लक्ष्यों तक पहुंच सकती है। इसके अलावा, एस-300 वायु रक्षा प्रणाली भी प्रदर्शित की गई, जिसे देश की सुरक्षा व्यवस्था का अहम हिस्सा माना जाता है। इस मौके पर राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने सैन्य ताकत की सराहना की और इसे देश की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण बताया। परेड के दौरान जनता की भागीदारी और समर्थन ने सरकार के प्रति मजबूत आंतरिक मनोबल का संकेत दिया। सैन्य प्रदर्शन के समानांतर ईरान कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय है। विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची हाल ही में रूस की राजधानी पहुंचे, जहां उन्होंने व्लादिमीर पुतिन और सर्गेई लावरोव से मुलाकात की। इसके बाद उनके रोम में स्टीव विटकॉफ से संभावित बातचीत की भी चर्चा है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर स्थिति जटिल बनी हुई है। 2015 के परमाणु समझौते, यानी ईरान परमाणु समझौता 2015 के तहत यूरेनियम संवर्धन को सीमित रखने पर सहमति बनी थी, लेकिन डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 2018 में समझौते से हटने के बाद हालात बदल गए।

संपादक की कलम से

शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास की आधारशिला होती है। समय के साथ शिक्षा का स्वरूप भी निरंतर बदल रहा है। आज पारंपरिक कक्षा शिक्षण के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों ने भी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। ऑनलाइन कक्षाएँ, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और स्मार्ट क्लासरूम ने सीखने की प्रक्रिया को अधिक सुलभ और लचीला बना दिया है। लेकिन इस परिवर्तन के साथ कई नई चुनौतियाँ भी सामने आई हैं।डिजिटल शिक्षा ने दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँचने का अवसर दिया है। अब छात्र घर बैठे देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षकों से सीख सकते हैं। इससे शिक्षा का दायरा व्यापक हुआ है और ज्ञान तक पहुँच आसान बनी है। विशेषकर महामारी के दौरान, डिजिटल शिक्षा ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और शिक्षा व्यवस्था को ठप होने से बचाया।हालांकि, इस नई व्यवस्था में कई कमियाँ भी हैं। सबसे बड़ी समस्या है डिजिटल विभाजन। आज भी देश के अनेक ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में इंटरनेट और तकनीकी संसाधनों की कमी है। ऐसे में वहाँ के छात्र इस बदलाव का पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इसके अलावा, लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से छात्रों के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।शिक्षा केवल किताबों और जानकारी तक सीमित नहीं होती, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास का भी माध्यम है। पारंपरिक विद्यालयों में मिलने वाला सामाजिक वातावरण, अनुशासन और सहपाठियों के साथ संवाद—ये सभी तत्व ऑनलाइन शिक्षा में काफी हद तक अनुपस्थित हैं। इससे छात्रों के समग्र विकास पर असर पड़ सकता है। सरकार और शैक्षणिक संस्थानों को इस दिशा में संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। डिजिटल और पारंपरिक शिक्षा का समन्वय ही भविष्य का मार्ग हो सकता है। साथ ही, तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करना और शिक्षकों को नई तकनीकों के अनुरूप प्रशिक्षित करना भी आवश्यक है। अंततः, शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और जागरूक नागरिक तैयार करना है। बदलते समय के साथ शिक्षा प्रणाली को भी विकसित होना होगा, लेकिन यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि इस विकास में कोई भी वर्ग पीछे न छूटे। तभी शिक्षा वास्तव में समाज को प्रगति की दिशा में आगे ले जा सकेगी।

“लोकतंत्र की सबसे बड़ी लड़ाई लड़ रहीं ममता”

केजरीवाल का ममता बनर्जी को खुला समर्थन

आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने ममता बनर्जी को समर्थन देते हुए चुनाव आयोग पर निशाना साधा। भवानीपुर रैली की अनुमति रद्द होने पर ममता ने भेदभाव का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पीएम की रैलियों को मंजूरी मिलती है, जबकि उन्हें रोका गया। पश्चिम बंगाल में चुनावी सियासत तेज हो गई है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल लगातार गरमाता जा रहा है। इस बीच अरविंद केजरीवाल ने ममता बनर्जी को खुला समर्थन देकर राजनीतिक हलचल और तेज कर दी है। आम आदमी पार्टी (AAP) के प्रमुख केजरीवाल ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर जानकारी दी कि उन्होंने ममता बनर्जी से फोन पर बात की और उन्हें इस कठिन समय में पूरी एकजुटता और समर्थन का भरोसा दिलाया।केजरीवाल ने अपने पोस्ट में लिखा कि “ममता दीदी इस समय सबसे कठिन लड़ाइयों में से एक लड़ रही हैं, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।” उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने यहां तक कहा कि “मोदी जी हारेंगे, चाहे उन्होंने केंद्रीय चुनाव आयोग समेत सभी संस्थानों का इस्तेमाल क्यों न किया हो।” केजरीवाल का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (TMC) और भारतीय जनता पार्टी (BJP) के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। चुनावी मुकाबला बेहद करीबी माना जा रहा है और दोनों दल एक-दूसरे पर लगातार आरोप-प्रत्यारोप कर रहे हैं। विवाद की शुरुआत तब हुई जब भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में ममता बनर्जी की प्रस्तावित रैली की अनुमति रद्द कर दी। यह फैसला पहले चरण के मतदान से ठीक पहले लिया गया, जिससे राजनीतिक माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया। भवानीपुर सीट पहले चरण के मतदान में शामिल है और इसे तृणमूल कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता है। चुनाव आयोग के इस फैसले पर ममता बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जा रहा है। ममता ने कहा, “मैं राज्य की मुख्यमंत्री हूं, फिर भी मुझे अपने ही निर्वाचन क्षेत्र में रैली करने की अनुमति नहीं दी गई। वहां कोई अन्य कार्यक्रम निर्धारित नहीं है, फिर भी मुझे रोका गया।” उन्होंने आगे आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियों को कुछ ही घंटों में अनुमति मिल जाती है, जबकि उनकी रैली को मंजूरी नहीं दी गई। ममता ने कहा, “आप प्रधानमंत्री की रैली को छह घंटे के भीतर अनुमति दे देते हैं, लेकिन मेरी रैली को मंजूरी नहीं दी गई। यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।” हालांकि, ममता बनर्जी ने स्पष्ट किया कि वह अनुमति न मिलने के बावजूद भवानीपुर क्षेत्र का दौरा करेंगी। उन्होंने कहा कि वह कॉलिन स्ट्रीट जाएंगी, वहां बैठेंगी, चाय पिएंगी और स्थानीय लोगों से बातचीत करेंगी। उनका कहना है कि जनता से जुड़ना उनका अधिकार है और इसे कोई नहीं रोक सकता। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान होगा, जबकि दूसरे चरण में 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। मतगणना 4 मई को होगी।

JDU में बड़ा फेरबदल, नीतीश ने घोषित की नई राष्ट्रीय टीम

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की है। इस नए ढांचे में संजय झा को एक बार फिर पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा 12 राष्ट्रीय महासचिवों और 8 सचिवों की भी नियुक्ति की गई है, जिससे संगठनात्मक विस्तार को गति मिलेगी।नई टीम में सामाजिक संतुलन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। बेहद पिछड़े समुदाय से आने वाले पूर्व सांसद चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि गोपालगंज के सांसद आलोक कुमार सुमन को पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस पुनर्गठन को आगामी चुनावों से पहले संगठन को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। गौरतलब है कि नीतीश कुमार ने 14 अप्रैल को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यसभा का रुख किया था। राज्यसभा सांसद बनने के बाद उन्होंने बिहार विधान परिषद की सदस्यता भी छोड़ दी। इसे राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा गया। नीतीश कुमार के पद छोड़ने के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने नए नेता के चयन के लिए बैठक की। गठबंधन की प्रमुख सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सम्राट चौधरी का नाम आगे बढ़ाया, जिसे जेडीयू और अन्य सहयोगियों का समर्थन मिला। इसके बाद सम्राट चौधरी ने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। हालांकि मुख्यमंत्री पद छोड़ने के बावजूद नीतीश कुमार पार्टी के भीतर अपनी पकड़ बनाए हुए हैं। वे चौथी बार निर्विरोध रूप से जेडीयू के नेता चुने गए हैं और पार्टी की रणनीति तय करने में उनकी भूमिका अहम बनी हुई है। उन्हें अप्रैल 2026 में विधायक दल के नए नेता के चयन का अधिकार भी दिया गया है।

खड़गे के बयान पर सियासी तूफान,

BJP पहुंची चुनाव आयोग

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

निर्मला सीतारमण ने कांग्रेस पर प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए मामला भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष उठाया है। उन्होंने कहा कि पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा दिए जा रहे बयान न केवल निंदनीय हैं, बल्कि चुनावी माहौल को भी प्रभावित करते हैं। निर्मला सीतारमण ने बताया कि वह आयोग के समक्ष इसलिए उपस्थित हुईं ताकि यह अवगत कराया जा सके कि कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने चुनावी राज्य में मीडिया को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री के लिए “आतंकवादी” जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने इसे बेहद गंभीर और आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि इस तरह की भाषा लोकतांत्रिक मर्यादाओं के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी लगातार प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर रही है और यह एक पैटर्न बन गया है। निर्मला सीतारमण के अनुसार, “यह पहली बार नहीं है, बल्कि बार-बार ऐसा हो रहा है। कांग्रेस के रवैये में कोई सुधार नहीं दिख रहा है और वे लगातार एक ही तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।” वित्त मंत्री ने इस मुद्दे के समय को भी बेहद संवेदनशील बताया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमला की बरसी का

जिक्र करते हुए कहा कि जिस दिन निहत्थे नागरिकों को उनके परिवारों के सामने मारा गया था, उसकी पहली वर्षगांठ पर इस तरह की टिप्पणी करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि “आज हम उस दर्दनाक घटना को याद कर रहे हैं, और ठीक उसी समय कांग्रेस अध्यक्ष चुनावी राज्य चेन्नई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस तरह के बयान दे रहे हैं।” निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर दिए जा रहे ऐसे बयान न केवल राजनीतिक शिष्टाचार का उल्लंघन हैं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करते हैं। उन्होंने आयोग से इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की है ताकि चुनावी प्रक्रिया की गरिमा बनी रहे।उन्होंने यह स्पष्ट किया कि इस पूरे मामले को आयोग के समक्ष विस्तार से रखा गया है और उम्मीद जताई कि आयोग इस पर संज्ञान लेकर आवश्यक कदम उठाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस विवाद ने चुनावी माहौल को और अधिक गरमा दिया है और आने वाले दिनों में इस पर सियासी बयानबाजी और तेज हो सकती है।

चांदी में जोरदार उछाल

MCX पर कीमत 2.49 लाख के करीब

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितता के बीच चांदी की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर बुधवार को मई डिलीवरी वाली चांदी 2.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,49,802 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इसमें 5,702 लॉट का कारोबार हुआ, जो बाजार में बढ़ती सक्रियता को दर्शाता है। निवेशकों द्वारा नए सौदे किए जाने और सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुझान बढ़ने से चांदी की कीमतों में तेजी आई है। वैश्विक स्तर पर भी इसका असर साफ दिखाई दिया। कॉमेक्स (Comex) पर चांदी का वायदा भाव 2.36 प्रतिशत बढ़कर 78.29 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया। बाजार इस तेजी के पीछे सबसे बड़ा कारण पश्चिम एशिया में शांति समझौते को लेकर बनी अनिश्चितता है। जब भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव या संघर्ष की स्थिति बनती है, निवेशक जोखिम भरे विकल्पों जैसे शेयर बाजार से दूरी बनाकर सोने-चांदी जैसी सुरक्षित संपत्तियों की ओर रुख करते हैं। इसी प्रवृत्ति के चलते बुलियन बाजार में मांग बढ़ी है। डॉलर की वैश्विक स्थिति और आर्थिक संकेतकों ने भी चांदी की कीमतों को समर्थन दिया है। कमजोर डॉलर आमतौर पर कमोडिटी कीमतों को ऊपर ले जाता है, क्योंकि इससे अन्य मुद्राओं में निवेश करने वाले खरीदारों के लिए यह सस्ता हो जाता है। इसके अलावा, मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के दौर में चांदी को एक मजबूत हेजिंग विकल्प माना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया की स्थिति जल्द स्पष्ट नहीं होती, तो चांदी और सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। मौजूदा ट्रेंड को देखते हुए चांदी जल्द ही 2.50 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर सकती है। घरेलू बाजार में भी मांग में बढ़ोतरी देखी जा रही है, खासकर निवेशकों और ज्वेलर्स के बीच। त्योहारों और शादी के सीजन को ध्यान में रखते हुए भी चांदी की मांग में इजाफा हो सकता है, जिससे कीमतों को और समर्थन मिल सकता है। कुल मिलाकर, वैश्विक तनाव, निवेशकों का रुझान और आर्थिक कारक—ये सभी मिलकर चांदी की कीमतों को नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रहे हैं। आने वाले दिनों में बाजार की दिशा काफी हद तक अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर निर्भर करेगी, जिस पर निवेशकों की नजर बनी हुई है।

स्पेनिश टेनिस में नई सनसनी, राफेल होदार की धमाकेदार एंट्री

स्पेनिश टेनिस में नई पीढ़ी के उभरते सितारों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। जहां कार्लोस अल्काराज़ पहले से ही विश्व टेनिस में बड़ा नाम बन चुके हैं, वहीं अब 19 वर्षीय राफेल होदार तेजी से सुर्खियां बटोर रहे हैं। होदार ने हाल ही में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाकर सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। होडार, जिन्हें उनके नाम के कारण दिग्गज राफेल नडाल की तरह 'राफा' उपनाम से भी पुकारा जाता है, मैड्रिड ओपन में पदार्पण से पहले ही इस उपलब्धि तक पहुंच गए हैं। उनकी इस तेजी से प्रगति ने स्पेन के टेनिस भविष्य को लेकर उम्मीदें और बढ़ा दी हैं। स्पेन के एक और युवा खिलाड़ी मार्टिन लैंडालुस ने भी हाल ही में एटीपी रैंकिंग के शीर्ष 100 में जगह बनाई है। मैड्रिड ओपन में अल्काराज़ के चोट के कारण नाम वापस लेने के बाद ये दोनों युवा खिलाड़ी दर्शकों के लिए खास आकर्षण बन सकते हैं। अल्काराज़ ने इन दोनों खिलाड़ियों की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि "ये दोनों एक-दूसरे की मदद से लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्तर तक पहुंच सकते हैं। उनका भविष्य बेहद उज्ज्वल है।" होडार की सफलता की कहानी भी प्रेरणादायक है। एक साल पहले तक वह शीर्ष 600 खिलाड़ियों में भी शामिल नहीं थे, लेकिन मार्च में उन्होंने शीर्ष 100 में जगह बनाई और अब ताजा रैंकिंग में 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हाल ही में उन्होंने बार्सिलोना ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया, हालांकि वहां उन्हें आर्थर फिल्स से हार का सामना करना पड़ा। इसके अलावा, होदार ने इसी महीने मोरक्को में अपना पहला टूर-स्तरीय खिताब भी जीता है और यूएस ओपन जूनियर चैंपियन भी रह चुके हैं।

धोनी से मिलने पहुंचे दीपक चाहर, माही बोले—"कैमरा लेकर आया है, भगाओ इसे!"

विराट की कोहली ने किनारा किया, 'वन8 कम्यून' पर ताला

शहर के चर्चित रेस्टोरेंट One8 Commune पर आखिरकार ताला लग गया है। विराट कोहली के नाम से जुड़े इस आउटलेट को सिविल कोर्ट के आदेश के बाद बंद कर दिया गया। रेस्टोरेंट पर 2 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया किराया और अन्य भुगतान लंबित बताए जा रहे थे। हालांकि, इस पूरे मामले में विराट कोहली का सीधा संबंध नहीं है। जानकारी के अनुसार, कोहली पहले ही इस रेस्टोरेंट से अपनी साझेदारी खत्म कर चुके थे और अपने ब्रांड 'वन8' का नाम भी इस आउटलेट से हटा लिया था। रेस्टोरेंट का संचालन ट्रायो हिल्स हॉस्पिटैलिटी द्वारा किया जा रहा था, जिस पर पिछले करीब छह महीनों से किराया न चुकाने का आरोप है। इसके अलावा मेंटेनेंस चार्ज भी बकाया था, जिसके चलते मामला अदालत तक पहुंचा और अंततः कोर्ट ने इसे बंद करने का आदेश दे दिया। यह पहली बार नहीं है जब यह आउटलेट विवादों में आया हो। इससे पहले भी बेंगलुरु महानगर पालिका ने फायर सेफ्टी और अन्य नियमों के उल्लंघन को लेकर कई बार नोटिस जारी किए थे। लगातार मिल रही शिकायतों और नियमों के पालन में कमी के कारण रेस्टोरेंट की छवि पर असर पड़ा। सूत्रों के मुताबिक, इन्हीं विवादों और लगातार बढ़ती समस्याओं के चलते विराट कोहली ने समय रहते खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया था। इस घटनाक्रम ने शहर के रेस्टोरेंट कारोबार में भी हलचल मचा दी है।

SRH की कप्तानी पर सस्पेंस, कमिंस की वापसी से बढ़ी चर्चा

आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी को लेकर दिलचस्प बहस छिड़ गई है। टीम के नियमित कप्तान पैट कमिंस अभी तक टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाए हैं, क्योंकि वह कमर की चोट से उबर रहे हैं। हालांकि, कमिंस ने पुष्टि की है कि वह 25 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में वापसी के लिए तैयार हैं। कमिंस की गैरमौजूदगी में ईशान किशन ने टीम की कप्तानी संभाली और शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी अगुवाई में हैदराबाद की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच चुकी है, जिससे उनकी कप्तानी की जमकर तारीफ हो रही है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगर का मानना है कि कमिंस की वापसी के बावजूद किशन को ही कप्तानी जारी रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ईशान एक रणनीतिक कप्तान के रूप में उभरकर सामने आए हैं, जो गेंदबाजों का सही समय पर और सही बल्लेबाजों के खिलाफ उपयोग करना जानते हैं। बांगर ने यह भी कहा कि किशन मैदान पर बेहद शांत और संयमित नजर आते हैं। वह बिना घबराहट के फैसले लेते हैं और खेल पर उनका नियंत्रण स्पष्ट दिखता है। खासतौर पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में उन्होंने स्पिन गेंदबाजों का जिस तरह इस्तेमाल किया, वह काफी प्रभावशाली था।

धोनी की वापसी की तैयारी, वानखेड़े में जमकर बहाया पसीना

चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी आईपीएल 2026 में वापसी के लिए जोरदार तैयारी कर रहे हैं। 21 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में धोनी ने लगभग 40 मिनट तक विकेटकीपिंग का अभ्यास किया, जिसके बाद उन्होंने करीब एक घंटे तक नेट्स में बल्लेबाजी की। उनके इस अभ्यास सत्र ने फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। प्रैक्टिस के दौरान धोनी ने युवा खिलाड़ियों सरफराज खान और उर्विल पटेल के साथ विकेटकीपिंग की। टीम में चोट के चलते आयुष म्हात्रे के पूरे टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद उर्विल पटेल को मौका मिल सकता है। वहीं सरफराज खान को बल्लेबाजी क्रम में प्रमोशन मिलने की भी चर्चा है, खासकर नंबर-3 पर खेलने की संभावना जताई जा रही है। धोनी अब तक सीएसके के छह मैचों में नहीं खेल पाए हैं, जिसका असर टीम के प्रदर्शन पर साफ दिखा है। टीम फिलहाल अंक तालिका में आठवें स्थान पर है और उसका नेट रन रेट भी नकारात्मक है। ऐसे में धोनी की वापसी टीम के लिए बड़ा बदलाव ला सकती है। सीएसके का अगला मुकाबला मुंबई इंडियंस से होना है, जो खुद भी इस सीजन में संघर्ष कर रही है। मुंबई ने छह में से चार मुकाबले गंवाए हैं, हालांकि गुजरात टाइटंस के खिलाफ 99 रन की बड़ी जीत के कारण उनका नेट रन रेट बेहतर है। हाल ही में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में सीएसके को एक मजबूत फिनिशर की कमी खली। मैथ्यू शॉर्ट की धीमी पारी ने टीम पर दबाव बढ़ा दिया, जिससे शिवम दुबे और जेमी ओवरटन के लिए लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो गया। ऐसे में अगर 44 वर्षीय धोनी निचले क्रम में छोटी लेकिन प्रभावी पारियां खेलते हैं, तो यह टीम के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। उनकी अनुभव और मैच फिनिश करने की क्षमता सीएसके को फिर से जीत की राह पर ला सकती है। अब सभी की नजरें धोनी की वापसी और उनके प्रदर्शन पर टिकी हैं, जो सीएसके के अभियान को नई दिशा दे सकता है।

छात्र ने एक्टर को बताया अपना रोल मॉडल, स्कूल होमवर्क हुआ वायरल

बच्चे ने कॉपी में उतारा 'धुरंधर' का हमजा

रणवीर सिंह जैसा एक्टर बनने की चाह रखने वाले एक बच्चे की कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. स्कूल असाइनमेंट में लिखे इस जवाब और साथ बनाए गए स्केच ने लोगों का दिल जीत लिया है.

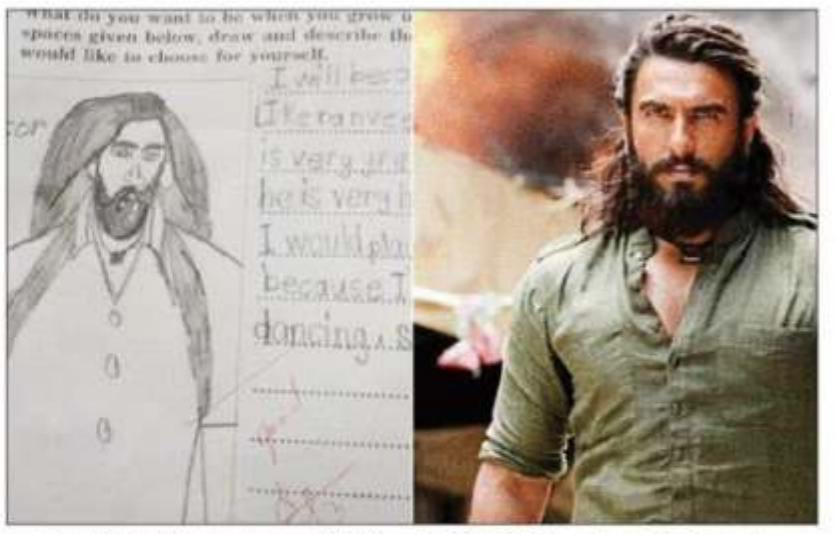

एक छात्र ने अपने स्कूल असाइनमेंट में रणवीर सिंह के किरदार का स्केच बनाया.

बच्चों का मन सच में सच्चा होता है, और वे अपने मासूम दिल में कई सपने संजोए रखते हैं. इन सपनों में एक सपना यह भी होता है कि बड़े होकर क्या बनना है. किसी के मन में डॉक्टर बनने का ख्वाब होता है, तो कोई साइंटिस्ट बनने की सोचता है. ये सब उनके आसपास की चीजों को देखकर और समझकर ही बनता है. ऐसा ही एक बच्चे की मासूमियत इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. दरअसल, स्कूल में बच्चों से पूछा गया था कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं. इस सवाल के जवाब में एक छात्र ने बेहद सादगी और साफ सोच के साथ लिखा कि वह रणवीर सिंह जैसा एक्टर बनना चाहता है. इतना ही नहीं, उसने अपने जवाब के साथ रणवीर सिंह के निभाए किरदार हमजा का एक स्केच भी बनाया, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया. बच्चे ने अपने जवाब में बताया कि उसे रणवीर सिंह इसलिए पसंद हैं क्योंकि वे बहुत मेहनती हैं. इस असाइनमेंट में बच्चे ने सिर्फ एक्टर बनने की इच्छा ही नहीं जताई, बल्कि यह भी बताया कि उसे डांस और सिंगिंग का शौक है. इससे साफ होता है कि वह अलग-अलग किरदार निभाने और परफॉर्म करने में दिलचस्पी रखता है.ठीक वैसे ही जैसे रणवीर सिंह अपनी एनर्जी और वर्सेटाइल एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं. इस जवाब के साथ बना स्केच, जिसे कथित तौर पर छात्र हमजा ने तैयार किया, इस पूरे असाइनमेंट को और भी खास बना देता है. यही वजह है कि यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. यूजर्स इसे 'प्योर' और 'दिल छू लेने वाला' बता रहे हैं, वहीं कई लोग बच्चे की साफ सोच और बड़े सपनों की जमकर तारीफ कर रहे हैं. लोगों का कहना है कि इतनी छोटी उम्र में मेहनत की अहमियत समझना वाकई काबिल-ए-तारीफ है. 'धुरंधर' और उसकी सीक्वल 'धुरंधर 2' ने मिलकर दुनियाभर में 3019.35 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. ⊙

जिद्दी बछड़े को मनाती बच्ची का वीडियो वायरल

कहते हैं, उम्र सबसे पहले इंसान से उसकी मासूमियत छीन लेती है.वही निश्चल बचपन, जिसमें हर बात सीधी और सच्ची होती है. सोशल मीडिया पर इन दिनों एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है, जो याद दिलाता है कि बच्चे सच में कितने मासूम और बेखौफ होते हैं. वे अपनी बात बिना झिझक, यहां तक कि बेजुबानों के सामने भी पूरी मजबूती से रख देते हैं. इस वीडियो को देखकर लोग अपने बचपन की उन्हीं सरल और सच्ची यादों में खोते नजर आ रहे हैं. ⊙

सुरक्षाकर्मियों की बदहाली पर लोगों ने उठाए सवाल

मच्छरदानी ओढ़े ड्यूटी पर दिखा सिक्योरिटी गार्ड

किसी बड़ी बिल्डिंग या ऑफिस में आपने सिक्योरिटी गार्ड जरूर देखे होंगे, लेकिन कम वेतन और लंबी ड्यूटी करने वालों की जिंदगी कितनी मुश्किल होती है, यह कम ही नजर आता है.

इन दिनों सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो इसी हकीकत को सामने ला रहा है, जो सिक्योरिटी गार्ड की जिंदगी का सच्चा चित्र दिखाता है.

यह वीडियो हैदराबाद की एक आवासीय सोसाइटी का बताया जा रहा है, जहां तैनात एक गार्ड रात की ड्यूटी के दौरान कुर्सी पर बैठा है और खुद को पूरी तरह मच्छरदानी से ढक रखा है. मच्छरों से बचने के लिए यह

उसका अपना तरीका है, लेकिन यह दृश्य कई बड़े सवाल खड़े करता है. यह क्लिप X पर यूजर सुरज कुमार बौद्ध ने शेयर की. वीडियो में एक महिला गार्ड से बात करती नजर आती है, जबकि गार्ड मच्छरदानी के अंदर बैठकर अपनी ड्यूटी निभा रहा है. ⊙

ब्रिटेन में बसने के लिए 'फर्जी गे' बन रहे पाकिस्तानी और बांग्लादेशी

शरण पाने के लिए समलैंगिकता का नाटक

पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिक अब ब्रिटेन में रिफ्यूजी का स्टेटस पाने के लिए गे बन रहे हैं! यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन यह सच है. दरअसल, यूके में बसने के लिए पाकिस्तानी LGBTQ समुदाय से ताल्लुक रखने का नाटक रचते हैं. इस नाटक में कुछ कानूनी फर्म और एडवाइजर्स भी इनकी मदद करते हैं और बदले में हजारों पाउंड वसूलते हैं. Gay बनने का नाटक कर रिफ्यूजी स्टेटस पाने के इस काम के लिए एक पूरी शैडो इंडस्ट्री खड़ी हो गई है. बीबीसी की एक इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट ने इस स्कैम का खुलासा किया है. रिपोर्ट के मुताबिक, लॉ फर्म्स और कानूनी सलाहकारों की एक पूरी फौज

वैसे प्रवासियों को फर्जी कहानियां गढ़ने और मनगढ़ंत सबूत जुटाने में मदद करती हैं, जिनके वीजा की अवधि खत्म होने वाली है. सबूत फर्जी लेटर्स, तस्वीरें और मेडिकल रिपोर्ट्स शामिल होती है. सारे जरूरी सबूत मिल जाने और एक मनगढ़ंत कहानी तैयार हो जाने के बाद ऐसे लोग समलैंगिक होने का दावा करते हुए और पाकिस्तान या बांग्लादेश लौटने पर अपनी जान को खतरा होने के कारण शरण के लिए आवेदन करते हैं. ब्रिटेन की शरण प्रक्रिया उन लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है जो अपने गृह देशों में वापस नहीं लौट सकते. क्योंकि, वहां जाने पर उनके जान को खतरा हो सकता है. उदाहरण के लिए पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में समलैंगिक होना अवैध हैं. ⊙

प्रियंका चोपड़ा का दमदार एक्शन अवतार 'सिटाडेल 2' का ट्रेलर रिलीज़

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी है। प्राइम वीडियो की चर्चित जासूसी थ्रिलर सीरीज़ सिटाडेल का दूसरा सीज़न रिलीज़ के लिए तैयार है। मंगलवार को मेकर्स ने सिटाडेल सीज़न 2 का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया, जिसने सोशल मीडिया पर आते ही जबरदस्त चर्चा बटोर ली है। करीब 2 मिनट 42 सेकंड का यह ट्रेलर पहले सीज़न के मुकाबले ज्यादा हाई-ऑक्टेन एक्शन, सस्पेंस और रोमांच से भरपूर नजर आ रहा है। ट्रेलर में प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर 'नादिया सिंह' के दमदार किरदार में दिखाई दे रही हैं, जबकि रिचर्ड मैडेन 'मेसन केन' के रूप में नजर आते हैं। इसके साथ ही स्टेनली टुची 'बर्नार्ड ऑरलैक' के किरदार में टीम को फिर से एकजुट करते दिखते हैं। इस बार कहानी और भी बड़े खतरे के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां यह तिकड़ी मानवता को बचाने के लिए एक बेहद जोखिम भरे मिशन पर निकलती है। ट्रेलर रिलीज़ के बाद दर्शकों का उत्साह साफ देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर यूज़र्स लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूज़र ने लिखा, "इस सीज़न का बेसब्री से इंतज़ार था, अब और इंतज़ार नहीं हो रहा।" वहीं दूसरे ने लिखा, "नई टीम और नए ट्विस्ट्स देखने के लिए उत्साहित हूं।"रिलीज़ की बात करें तो सिटाडेल सीज़न 2 को 6 मई 2026 से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम किया जाएगा। खास बात यह है कि इस बार सीज़न में कुल सात एपिसोड होंगे और सभी एपिसोड एक साथ रिलीज़ किए जाएंगे, जिससे दर्शक बिना इंतज़ार किए पूरी कहानी का आनंद ले सकेंगे। सीरीज़ की कास्ट भी इस बार और मजबूत नजर आ रही है। पुराने कलाकारों में प्रियंका, रिचर्ड मैडेन और स्टेनली टुची के अलावा लेस्ली मैनविल और एशले कमिंग्स जैसे कलाकार अपनी भूमिकाओं में लौट रहे हैं। वहीं नए चेहरों में जैक रेनर, मैट बेरी, लीना अल अरबी, मर्लें डैंड्रिज, गेब्रियल लियोन और रायना वैलैंडिंगहम शामिल हैं, जो कहानी में नए मोड़ और रोमांच जोड़ने वाले हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा के पास इस सीरीज़ के अलावा एक और बड़ा प्रोजेक्ट है। वह मशहूर निर्देशक एस. एस. राजामौली की आगामी फिल्म 'वाराणसी' में सुपरस्टार महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म प्रियंका का बहुप्रतीक्षित तेलुगू डेब्यू होगी, जो 7 अप्रैल 2027 को रिलीज़ होने वाली है। कुल मिलाकर, सिटाडेल सीज़न 2 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक बड़े धमाके के तौर पर सामने आने वाला है। दमदार स्टारकास्ट, हाई-लेवल एक्शन और ग्लोबल स्केल पर बनी यह सीरीज़ दर्शकों को एक बार फिर रोमांचक सफर पर ले जाने के लिए तैयार है।

मेयर आवास पर हंगामा
बयानबाजी से गरमाया माहौल

लखनऊ में मेयर सुषमा खर्कवाल के आवास पर सपा नेता गौरव चौधरी ने साथियों संग विरोध प्रदर्शन करते हुए नेम प्लेट पर कालिख पोती और नारेबाजी की।इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे राजनीतिक माहौल और गरमा गया।मेयर के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर टिप्पणी की थी, विवाद की वजह बना।दोनों पक्षों के तीखे आरोप-प्रत्यारोप के बीच मामला अब बड़े राजनीतिक विवाद का रूप ले चुका है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में मेयर सुषमा खर्कवाल के आवास पर बुधवार सुबह साथियों के साथ पहुंचे सपा नेता गौरव चौधरी ने उनके नेम प्लेट को चप्पलों से पीटा। उस पर कालिख पोती। सुरक्षा के लिए लगे बैरियरों को झकझोर कर सुषमा खर्कवाल मुर्दाबाद के नारे लगाए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। वीडियो पर गौरव चौधरी, विधानसभा 43 सिवालखास, मेरठ लिखा है। इस मामले पर मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि सपा का यह चरित्र है। वह अपनी मां और बहन का अपमान करते हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर भी तंज कसते हुए कहा कि वे हमेशा विदेश में रहते हैं। दरअसल, मंगलवार को लखनऊ में महिला आरक्षण बिल को लेकर लखनऊ में निकले जनाक्रोश रैली में मेयर सुषमा खर्कवाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लेते हुए टिप्पणी की थी, तब से सियासी माहौल काफी गरमा गया है। जनाक्रोश रैली में मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा था- आज जनाक्रोश पदयात्रा है। इसमें हम बहनों और महिलाओं का सम्मान जुड़ा है। हजारों वर्षों से भारत में नारियों का सम्मान हुआ है, लेकिन आज विपक्ष ने जिस तरीके से महिलाओं का अपमान किया हैए यह घोर निंदनीय है। हम उस देश में रहते हैं, जिस देश को मां कहा जाता है। हमारे देश में नदियों को भी मां कहा जाता है। मैं राहुल गांधी और अखिलेश यादव को कहना चाहती हूं कि जिस मां ने आपको पैदा किया है, वह मां आपकी पहले टीचर है। इस मामले में मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा- मैं किसी की मां को क्यों गाली दूंगी? कहीं भी यह बता दिया जाए कि मैंने गाली दी है। मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की मांग अखिलेश यादव ने की। जब धर्म पर देश बंटा तो यह आरक्षण पाकिस्तान में जाकर मांगिए। मैंने आधी आबादी की बात रखी है। अखिलेश यादव ने मंगलवार को ही मेयर सुषमा खर्कवाल के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने फेसबुक पर मेयर को संबोधित करते हुए लिखा था- आप कृपया अपनी राजनीतिक मजबूरीवश मेरी दिवंगत मां का नाम लेकर एक महिला के रूप में एक अन्य महिला का अपमान न करें। नारी के सम्मान में आपसे बस इतना आग्रह है। यदि आपके घर में कोई बड़े-बुजुर्ग हों या बच्चे तो उनसे पूछ लीजिए कि आपका ये अति निंदनीय द्वेषपूर्ण बयान उचित है या नहीं? बाकी आप स्वयं एक महिला हैं। महिला ही जब महिला का अपमान करेगी तो कौन आपको नैतिक रूप से सही कहेगा। भारतीय समाज में कभी भी, किसी की भी मां का अपमान स्वीकार्य नहीं है। आपका राजनीतिक भविष्य उज्ज्वल हो,ता अगर आप उसे नैतिक मानकों पर इतना नीचे न ले जातीं। आज आपके समर्थक भी शर्मिंदा हैं। जिनको प्रभावित करने के लिए आप अपना स्तर गिरा रही हैं। वे किसी के भी सगे नहीं हैं। आप अपना स्तर बनाए रखें और संतुलन भी। मैं आपसे किसी क्षमा की भी अपेक्षा नहीं रखता हूं। न ही ऐसा कहने के बाद क्षमा के कोई मायने रह जाते हैं। आपका अकेले में बैठकर जो पछतावा होगा, हमारे लिए इतना ही बहुत है।

केजीएमयू प्रशासन ने मंगलवार को एक फर्जी डॉक्टर को दबोचा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) प्रशासन ने मंगलवार को एक फर्जी डॉक्टर को दबोचा। आरोपी हस्साम अहमद 12वीं पास है जिसके धर्मांतरण रैकेट से जुड़े होने की आशंका जताई गई है। हस्साम के संपर्क में एमबीबीएस की कई छात्राएं थीं। वह छात्राओं को एम्स में कथित तौर पर होने वाली एक कॉन्फ्रेंस के नाम पर दिल्ली ले जाने वाला था। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी से पूछताछ कर रही है। केजीएमयू प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी हस्साम अजीज नगर सेमरा गोडी का निवासी है। आरोपी ने कॉर्डियो सेवा संस्थान नामक एक ट्रस्ट बना रखा है। वह केजीएमयू में घूमकर यहां पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं से खुद को सीनियर बताते हुए रौब झाड़ता रहता था। इसके साथ ही केजीएमयू में इलाज के लिए आने वाले मरीजों से भी वसूली का भी आरोप है। 13 अप्रैल को उसने केजीएमयू की छात्राओं को कथित रूप से एम्स में होने वाली एक कॉन्फ्रेंस के लिए चयनित होने का फर्जी आमंत्रण पत्र जारी किया। यह पत्र केजीएमयू के प्रवक्ता और पैरामेडिकल संकाय के डीन प्रो. केके सिंह के हस्ताक्षर से जारी किया गया था। छात्राओं को दिए गए पत्र में कॉन्फ्रेंस में अमेरिका के प्रसिद्ध डॉक्टर से मुलाकात करवाने की बात भी लिखी थी।

बसपा प्रमुख मायावती ने धरना-प्रदर्शन से दूर रहने और
चुनाव तैयारी में जुटने का निर्देश दिया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि महिला आरक्षण के समर्थन के मामले में पार्टी का स्टैंड 15 अप्रैल वाला ही है। इसमें कोई भी बदलाव नहीं किया गया है। पार्टी की बैठकों में इस बारे में बताना है ताकि इस मुद्दे पर पार्टी के लोग गुमराह न हो सकें। उन्होंने आगाह किया कि पार्टी के अनुशासन के मुताबिक, इस मुद्दे पर कोई धरना-प्रदर्शन आदि नहीं करना है।बसपा सुप्रीमो ने बुधवार को दिल्ली जाने से पहले सोशल मीडिया पर सभी जिलाध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के लिए जारी अपने संदेश में कहा कि बीती 31 मार्च को लखनऊ में हुई यूपी की प्रदेश स्तरीय बैठक में पार्टी संगठन तैयार करने, कैडर के जरिये पार्टी का जनाधार बढ़ाने, आर्थिक मजबूती देने तथा विधानसभा चुनाव की तैयारी से संबंधित जो दिशा-निर्देश दिए गए थे, उस पर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से अमल करते रहना है। vखासकर बैठकों में यूपी में बसपा के नेतृत्व में रही सरकार में प्रदेश के विकास व जनहित आदि में किए कार्यों के बारे में जरूर बताना है। यह भी बताना है कि यूपी में अब

तक जितने भी एक्सप्रेसवे तथा नोएडा में एयरपोर्ट बना है, उसकी योजना बसपा सरकार में ही बनी थी। ऐसे अनेकों और भी जनहित के कार्य किए गए थे। तमाम काम पूरे हो जाते यदि उस समय केंद्र की कांग्रेस सरकार बसपा के प्रति अपनी जातिवादी मानसिकता के चलते रुकावटें पैदा नहीं करती।

मौसम विभाग के अनुसार 25 अप्रैल तक गर्मी का क्रम लगातार बढ़ता ही जाएगा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

भीषण गर्मी ने यूपी के पूर्वी और पश्चिमी दोनों संभागों ने अपने पांव पसार लिए हैं। बुधवार की सुबह सात बजे से ही तीखी धूप लोगों को परेशान कर रही है। बुंदेलखंड और मध्यप्रदेश से सटे कुछ दक्षिणी जिलों में गर्म हवा और लू के थपेड़े और तपिश लोगों की मुश्किलें बढ़ा रही है। माेसम विभाग ने बुधवार के लिए यूपी के 32 जिलों में लू की चेतावनी जारी किया है। पूर्वानुमान है कि फिलहाल 25 अप्रैल तक प्रचंड गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।मंगलवार को 44.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान के साथ बांदा प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा। वहीं 43.4 डिग्री के साथ सुल्तानपुर प्रदेश में दूसरे नंबर पर रहा। प्रयागराज में 43.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। आंचलिक माेसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि यूपी में शुष्क पछुआ हवाओं और मौसम के प्रभाव से कई जिलों में लू चलने की स्थिति बन गई है। 26 अप्रैल से एक नए विक्षोभ के सक्रिय होने से बादलों की सक्रियता बढ़ सकती है। प्रयागराज, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बाराबंकी, अमेठी. सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, पीलीभीत, शाहजहांपुर व आस पास के क्षेत्र ।जिले में प्री-प्राइमरी से कक्षा आठ तक के सभी बोर्ड के सरकारी, गैर सरकारी और निजी विद्यालय 22 अप्रैल से सुबह 7:30 बजे से 12:30 बजे तक ही संचालित होंगे। जिलाधिकारी विशाख जी ने इसका आदेश जारी कर दिया है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में भीषण गर्मी को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि अग्रिम आदेशों तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। इस संबंध में उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

होमगार्ड परीक्षा 25 से 27 अप्रैल तक
जानिए कब जारी होंगे एडमिट कार्ड

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सभी वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ होमगार्ड भर्ती की लिखित परीक्षा की समीक्षा करेंगे और इस बाबत आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। बैठक में सभी एडीजी जोन, पुलिस कमिश्नर, मंडलायुक्त, आईजी-डीआईजी रेंज, डीएम, जिलों के पुलिस कप्तान और डीआईओएस उपस्थित रहेंगे। होमगार्ड भर्ती परीक्षा आगामी 25, 26 और 27 अप्रैल को आयोजित होगी, जिसके दृष्टिगत सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, अभ्यर्थियों की सुविधा और नकलविहीन परीक्षा सुनिश्चित कराने के लिए सीएम योगी अधिकारियों को निर्देश देंगे। इस दौरान वह कानून व्यवस्था की स्थिति की भी समीक्षा करेंगे। प्रदेश सरकार का जोर परीक्षा को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने पर है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र (एडमिट काड) आधिकारिक वेबसाइट पर चरणबद्ध तरीके से जारी किए जाएंगे। उम्मीदवार अपनी परीक्षा तिथि के अनुसार ही एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे।

25 अप्रैल 2026 की परीक्षा के लिए: 22 अप्रैल 2026
26 अप्रैल 2026 की परीक्षा के लिए: 23 अप्रैल 2026
27 अप्रैल 2026 की परीक्षा के लिए: 24 अप्रैल 2026

मोहम्मद अली मियां हज कमेटी ऑफ इंडिया हज
हाउस से हज यात्रियों का पहला जत्था बुधवार हुआ रवाना

सरोजनीनगर स्थित मोहम्मद अली मियां हज कमेटी ऑफ इंडिया हज हाउस से हज यात्रियों का पहला जत्था बुधवार को रवाना हुआ। इसमें 427 हज यात्री शामिल हैं। अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद और धर्मगुरुओं ने हरी व भगवा झंडी दिखाकर हज यात्रियों की बस को चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए रवाना किया। इस मौके पर दानिश ने कहा कि पहली भारत हज में AI का इस्तेमाल कर रहा है। किसी भी तरह की असुविधा होने पर हज यात्री ट्रैक किए जा सकेंगे। उन्हें तुरंत राहत पहुंचाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हज यात्रियों को बेहतर सुविधा मिले।

इस साल गर्मी के कारण लखनऊ हज हाउस से लेकर मक्का-मदीना तक स्वास्थ्य व्यवस्था का पूरा इंतजाम किया गया है। हज की तैयारी के सिलसिले में उत्तर प्रदेश हज कमेटी का डेलिगेशन सऊदी अरब भी गया था। वहां तमाम सुविधाओं की जांच करके आया है। हज यात्रियों की फ्लाइट दोपहर 2:20 बजे उड़ान भरेगी। हज यात्रियों को विदा करने उनके परिजन भी हज हाउस पहुंचे। कई हज यात्रियों के बच्चे और परिजन उन्हें विदा करते हुए फूट-फूटकर रोने लगे। कानपुर से पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी अपने चार भाइयों को हज यात्रा के लिए विदा करने पहुंचे। उन्होंने कहा कि उनका पासपोर्ट बंद (निलंबित) है।

इस वजह से वह हज करने नहीं जा पा रहे हैं। उन्होंने भाइयों से कहा कि वे मक्का में जाकर दुआ करें कि उनका पासपोर्ट बहाल हो जाए और वह भी हज जा सकें। मंत्री दानिश ने कहा कि हज यात्रियों के साथ डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ भी रहेंगे। समस्या होने पर तुरंत उनका इलाज किया जाएगा। उन्हें गाइड करने के लिए हज सुविधा ऐप (Haj Suvidha App) है। इसमें SOS बटन है। इसका प्रयोग स्वास्थ्य सुविधा और इमरजेंसी के लिए किया जा सकता है। वीडियो या ऑडियो के माध्यम से बीमारी की जानकारी दी जा सकेगी। इसे ट्रैक कर मेडिकल टीम उपचार के लिए पहुंच जाएगी। मंत्री दानिश ने हज यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा- आपके किट में एक स्मार्ट वॉच आप लोगों को मिला है। पहली बार हज में भारत AI का इस्तेमाल कर रहा है। इसका इस्तेमाल हज यात्रियों की खिदमत के लिए किया जा रहा है। यह स्मार्ट वॉच आपके बहुत काम आएगी। इसके माध्यम से आपको अजान के समय की जानकारी मिलेगी। इसके साथ-साथ हम आपको ट्रैक भी कर पाएंगे।

जनहित और पारदर्शिता पर दिया जोर

नए डीएम घनश्याम मीणा ने संभाला कार्यभार

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में नवागत जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने बुधवार को कोषागार पहुंचकर विधिवत रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और प्रशासनिक व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनहित से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में संचालित विकास योजनाओं और परियोजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग पारदर्शिता, जवाबदेही और समन्वय के साथ कार्य करें, ताकि आम जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर और बिना किसी बाधा के मिल सके। उन्होंने कहा कि योजनाओं का प्रभाव तभी दिखाई देगा, जब उन्हें जमीनी स्तर पर पूरी ईमानदारी और दक्षता के साथ लागू किया जाए।घनश्याम मीणा ने विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि निर्माणाधीन परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरे हों। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी कि किसी भी योजना में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।जिलाधिकारी ने जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति को सुदृढ़ बनाए रखने पर भी विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि शांति और सुरक्षा का माहौल बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसके लिए पुलिस व प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी बनाए रखी जाए।जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण को लेकर भी जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम जनता की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और उनका समयबद्ध तथा गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए सभी विभागों को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास प्रशासन की सबसे बड़ी ताकत है, जिसे बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है।उल्लेखनीय है कि घनश्याम मीणा इससे पहले हमीरपुर जिले में जिलाधिकारी के पद पर कार्यरत थे, जहां उन्होंने कई प्रशासनिक सुधारों और विकास योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू किया। उनके कार्यकाल में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हुआ और प्रशासनिक कार्यशैली में पारदर्शिता व दक्षता देखने को मिली। उनके अनुभव और सक्रिय नेतृत्व से अब उन्नाव जिले में भी प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा विकास कार्यों को गति देने की उम्मीद की जा रही है।

दूल्हे को मंगलवार को पुलिस कोतवाली ले आई

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

नवाबगंज। बरात निकालने की तैयारी में जुटे दूल्हे को मंगलवार को पुलिस कोतवाली ले आई। उस पर एक युवती ने कोर्ट मैरिज करने का आरोप लगाया और कागजात दिखाए। पहली पत्नी से छिपाकर दूसरी शादी रचाने की तैयारी के मामले में पुलिस के हस्तक्षेप के बाद युवक पहली पत्नी को साथ रखने के लिए तैयार हो गया। अजगैन कोतवाली क्षेत्र की महिला मंगलवार देर शाम एक साल की बच्ची के साथ थाने पहुंची। उसने पुलिस को बताया कि उसका पति दूसरी शादी कर रहा है और आज ही उसकी बरात जानी है। महिला ने कोर्ट मैरिज के दस्तावेज भी प्रस्तुत किए। यह शादी 16 जनवरी 2026 को हुई थी। दस्तावेजों की जांच के बाद पुलिस दूल्हे के घर पहुंची। पुलिस उसे बरात की तैयारी में ही कोतवाली ले आई। कोतवाली में महिला ने दूल्हे के सामने अपनी शादी की बात बताई। इससे शादी वाले घर में हलचल मच गई। प्रभारी कोतवाल मुकुल दुबे ने बताया कि युवक के शादीशुदा होने की जानकारी उसके परिजनों को नहीं थी। इसी कारण उन्होंने शादी तय कर दी थी। मंगलवार देर शाम बरात निकलने से पहले दूल्हे को कोतवाली लाकर दोनों पक्षों के बीच समझौता कराया गया। पुलिस के समझाने पर युवक पहली पत्नी को भी साथ रखने के लिए राजी हुआ। दूल्हे को अभी भी कोतवाली में बिठाया गया है जिससे बरात नहीं जा सकी।

कुलदीप सेंगर केस की पीड़िता बोली- देरी CBI की, सजा मुझे क्यों?

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

सजायाफ्ता पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर प्रकरण की दुष्कर्म पीड़िता ने पिता की हत्या में कुलदीप सेंगर को मिली 10 साल की सजा बढ़ाने की अपील की थी। दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से अपील खारिज करने पर पीड़िता ने अपनी बात रखी है। उनका कहना है कि 1945 दिन की देरी मेरी तरफ से नहीं सीबीआई की तरफ से की गई है, इसकी सजा मुझे क्यों मिल रही है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की बात कही है। पीड़िता ने वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। बताया कि पुलिस हिरासत में पिता की बेरहमी से पीटकर हत्या की गई थी। इस मामले में सजा बढ़ाने की मेरी अपील को इसलिए रद्द कर दिया गया क्योंकि इसे दायर करने में 1945 दिन की देरी हुई। पीड़िता का कहना है कि जुलाई 2019 में रायबरेली जाते समय एक्सीडेंट उनका एक्सीडेंट हुआ था। हादसे में मेरे वकील, मौसी और चाची की मौत हो गई थी। वह (पीड़िता) वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत से जूझ रही थी। मेरी पैरवी करने वाले चाचा को जेल भी जेल भेजवा दिया गया था। पैरवी करने वाला कोई नहीं था। ठीक होने में वक्त लगा और तब वह मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर थी। इसके बाद शादी व दो बच्चे हुए। इन हालात में केस की तारीख पर पहुंचना भी आसान नहीं था। उनका कहना है कि यह सवाल सीबीआई से होना चाहिए कि उसने समय रहते अपील क्यों नहीं की। पीड़िता का कहना है कि कहीं यह कुलदीप सेंगर को कानूनी लाभ देने की साजिश तो नहीं थी। पीड़िता ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करने की बात कही है।

अमेरिका-इस्राइल में चल रहे तनाव से कच्चे तेल की कमी 60 मार्गों का निर्माण रुक गया

ईरान और अमेरिका-इस्राइल में चल रहे तनाव से कच्चे तेल की कमी के चलते डामर (तारकोल) के दाम दोगुने हो गए हैं। इस कारण ठेकेदारों ने सड़क निर्माण से हाथ खड़े कर दिए हैं। इसके चलते जिले में करीब 70 करोड़ के लगभग 60 मार्गों का निर्माण रुक गया है। इनमें स्टेट हाईवे से ग्रामीण क्षेत्र तक के मार्ग शामिल हैं। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच 28 फरवरी से युद्ध शुरू हुआ था। करीब 54 दिनों से तनाव जारी है। ईरान कच्चे तेल का प्रमुख उत्पादक है। युद्ध के चलते कच्चे तेल से बनने वाले उत्पादों के मूल्यों में वृद्धि हुई है। इसमें डामर भी शामिल है। युद्ध से पहले डामर का मूल्य करीब 44 हजार रुपये टन था जो अब बढ़कर 88 हजार रुपये टन हो गया है। इसके चलते ठेकेदार डामरीकरण के कार्य से इन्कार कर रहे हैं। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सूत्रों के मुताबिक करीब 60 ऐसे मार्ग हैं जिनका अनुबंध पत्र तैयार हो चुका है लेकिन डामर की कीमतों में उछाल आ जाने से ठेकेदार पीछे हटने लगे हैं। इन मार्गों का बजट करीब 70 करोड़ है। इनमें राजमार्ग भी शामिल हैं। कुछ गांव के संपर्क मार्ग भी डामरीकरण के इंतजार में हैं। पीडब्ल्यूडी इंजीनियरों के मुताबिक एक किलोमीटर के 3.75 मीटर चौड़ाई वाले मार्ग के डामरीकरण में करीब सात टन डामर लगता है। वहीं सात मीटर चौड़ाई वाले मार्ग में डामर की मात्रा बढ़कर 14 टन हो जाती है। ऐसे में युद्ध से पहले ठेकेदार का जिस सड़क के डामरीकरण में 44 हजार रुपये टन का औसत खर्च आ रहा था वही अब बढ़कर 88 हजार रुपये हो गया है। दोगुना खर्च बढ़ जाने से ही ठेकेदार पीछे हटने लगे हैं। इसका असर सड़क निर्माण पर पड़ने लगा है।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत,काम के लिए बाहर निकले थे

उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार रात एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। हुसैन नगर के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान जान चली गई। मृतक की पहचान सियाराम (50) पुत्र स्वर्गीय रामशंकर के रूप में हुई है, जो चौधरान मोहल्ला पुरानी बाजार, सदर कोतवाली क्षेत्र के निवासी थे। सियाराम खेती-किसानी का कार्य करते थे और अपने परिवार के मुख्य भरण-पोषणकर्ता थे। हादसे के समय सियाराम किसी काम से बाहर निकले थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, रात के समय सड़क पर पर्याप्त रोशनी न होने के कारण दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। सियाराम अपने पीछे पत्नी रामरानी, बेटी किरन (26) और दो बेटे कल्लू (32) व राज (25) छोड़ गए हैं। परिजनों ने दोषी वाहन चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि होगी। अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है, जिसके लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की

अखिलेश की मां पर टिप्पणी को लेकर सियासी संग्राम तेज

सपा कार्यकर्ताओं का हंगामा, मेयर आवास के बाहर विरोध

लखनऊ में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने सुषमा खरकवाल के कथित बयान के खिलाफ प्रदर्शन किया। अखिलेश यादव ने इसे अपमानजनक बताया, जबकि खरकवाल ने बयान को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। विवाद से राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बुधवार को राजनीतिक माहौल उस समय गरमा गया, जब समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकर्ताओं ने शहर की महापौर सुषमा खरकवाल के आवास के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध सपा प्रमुख अखिलेश यादव की दिवंगत माता को लेकर दिए गए कथित बयान के खिलाफ किया गया। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और महापौर से माफी की मांग की। इस घटनाक्रम ने राजधानी में एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी सपा के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। विवाद के बीच सुषमा खरकवाल ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी की मां का अपमान करना नहीं था, बल्कि महिलाओं के सम्मान से जुड़े व्यापक मुद्दे उठाना था। खरकवाल ने कहा कि उन्होंने अपने भाषण में यह कहा था कि "हमारी आधी आबादी महिलाएं हैं, लेकिन कुछ नेताओं ने महिलाओं का अपमान किया है।" उन्होंने सवाल उठाया कि उनके बयान को व्यक्तिगत रूप से क्यों लिया जा रहा है। दूसरी ओर, अखिलेश यादव ने इस मामले पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर पोस्ट करते हुए कहा कि किसी की मां का अपमान करना भारतीय समाज में अस्वीकार्य है। उन्होंने महापौर से अपील की कि वे राजनीतिक कारणों से उनके परिवार का उल्लेख न करें और महिलाओं के सम्मान को बनाए रखें। अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में लिखा कि "जब एक महिला दूसरी महिला का अपमान करती है, तो यह और भी चिंताजनक होता है।" उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक जीवन में मर्यादा और संतुलन बनाए रखना जरूरी है। इस विवाद के बाद सपा कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज कराया, जिससे इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए निगरानी बढ़ा दी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद आने वाले चुनावी माहौल को और गर्मा सकता है। दोनों दल इस मुद्दे को लेकर एक-दूसरे पर हमला बोल रहे हैं, जिससे राजनीतिक ध्रुवीकरण और बढ़ने की संभावना है। फिलहाल, यह मामला प्रदेश की राजनीति में चर्चा का केंद्र बना हुआ है और सभी की नजर इस पर टिकी है कि आगे यह विवाद किस दिशा में जाता है।

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर

उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। बुधवार को राज्य के करीब 30 जिलों में हीट वेव (लू) का अलर्ट जारी किया गया है। सुबह से ही तेज धूप और गर्म हवाओं ने तापमान को तेजी से बढ़ा दिया है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, अगले चार दिनों तक यानी 25 अप्रैल तक गर्मी से राहत मिलने की कोई संभावना नहीं है। कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। हालांकि, 26 अप्रैल से मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं और कुछ इलाकों में बारिश की संभावना जताई गई है। प्रदेश के आगरा और अयोध्या में हालात बेहद गंभीर हैं। यहां प्रशासन सड़कों पर पानी का छिड़काव करवा रहा है, ताकि गर्मी के असर को कुछ कम किया जा सके। वहीं गोरखपुर के चिड़ियाघर में जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। भालुओं को ठंडक देने के लिए रोजाना 8-8 किलोग्राम की फ्रूट आइसक्रीम खिलाई जा रही है। पिछले 24 घंटों में राज्य के 30 से अधिक जिलों का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। बांदा सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए धार्मिक स्थलों पर भी विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान शिव के लिए जलधारा की व्यवस्था की गई है, जबकि श्रद्धालुओं के लिए कॉरिडोर में रेड कारपेट और जर्मन हैंगर लगाए गए हैं।

सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर वायुसेना का भव्य एयर शो, लड़ाकू विमानों ने किया प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में आज पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर भारतीय वायुसेना का भव्य एयर शो आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दोपहर करीब 2 बजे शुरू हुआ और लगभग तीन घंटे तक चला, जिसमें विभिन्न आधुनिक सैन्य विमानों और हेलीकॉप्टरों ने अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। एयर शो की शुरुआत वायुसेना के C295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की लैंडिंग से हुई, जिसने एक्सप्रेस-वे पर बनी विशेष एयरस्ट्रिप पर सफलतापूर्वक उतरकर कार्यक्रम का आगाज किया। इसके बाद जगुआर फाइटर जेट ने उड़ान भरी, जबकि राफेल, सुखोई और मिराज जैसे अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों ने भी टेकऑफ और लैंडिंग का शानदार प्रदर्शन किया। इन विमानों की गड़गड़ाहट और सटीक संचालन ने उपस्थित दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम के दौरान सेना के M17 हेलीकॉप्टर से कमांडोज ने एक मॉक ड्रिल के जरिए सैन्य ऑपरेशन का प्रदर्शन किया, जिससे आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई की झलक देखने को मिली। इसके अलावा M32 भीष्म विमान ने एयरस्ट्रिप पर 'टच एंड गो' अभ्यास कर अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया। बताया गया है कि शाम के समय फिर से युद्धाभ्यास किया जाएगा। इस पूरे आयोजन को देखते हुए लगभग 5 किलोमीटर के क्षेत्र को सुरक्षा के मद्देनजर सील कर दिया गया है। एयर शो को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर 3.2 किलोमीटर लंबी इमरजेंसी एयरस्ट्रिप बनाई गई है, जो आपातकालीन स्थितियों में वायुसेना के उपयोग के लिए तैयार की गई है। इससे पहले जून 2023 में भी यहां चार घंटे का अभ्यास आयोजित किया गया था। गौरतलब है कि 16 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया था।

पूर्व डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने की प्रेसवार्ता

उत्तर प्रदेश आज शहर के गौतम विहार कॉलोनी सहित विभिन्न क्षेत्रों के उपभोक्ता एडवोकेट अजय भारद्वाज पूर्व अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन हाथरस ने बिजली विभाग पर बिना सहमति पोस्टपेड मीटर हटाकर प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाने का आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना-पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रेसवार्ता में अधिवक्ता ने बताया कि उनके एवं उनकी पत्नी के नाम से लगे पोस्टपेड मीटरों को बिना अनुमति हटाकर उनकी जगह प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगा दिए गए जिससे उन्हें बार-बार बिजली कटौती और बिलिंग संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रार्थी का कहना है कि इस कार्रवाई से उन्हें आर्थिक एवं मानसिक परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रार्थी ने इस संबंध में एक प्रार्थना-पत्र संबंधित को देते हुए उल्लेख किया है कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47 पांच के अनुसार उपभोक्ताओं को पोस्टपेड और प्रीपेड दोनों विकल्पों का अधिकार है तथा बिना उपभोक्ता की सहमति के पोस्टपेड मीटर को प्रीपेड मोड में परिवर्तित नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद संबंधित विभाग द्वारा जबरन स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे है। संबंधित अधिकारियों के द्वारा सरकार की एक अच्छी योजना को पलीता लगाया जा रहा है जिसके कारण वोटरों में भी आक्रोश है और सरकार के खिलाफ माहौल बन रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने के बाद कई बार मकान और दुकान की विद्युत आपूर्ति बाधित रही जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुआ तथा आर्थिक नुकसान भी हुआ। साथ ही बिजली बिल की नियमित सूचना समय पर न मिलने से उपभोक्ताओं को अतिरिक्त परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

रिपोर्ट---- ब्यूरो चीफ दुष्यंत पचौरी हाथरस